Setting up of Shore Academy

1464. SHRI M. RAMGOPAL REDDY: Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether Government have been urged to set up a Shore Academy in the country and acquire a cargo-cum-training ship to train maritime personnel; and

(b) if so, the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI VEERANDRA PATIL): (a) Yes, Sir.

(b) It has been decided that the existing training capacity of Merchant Navy training institutions may be augmented to meet the shortage of trained maritime personnel. For this purpose, the Directorate General of Shipping is in the process of preparing project reports for the institutions and for the acquisition of a training-cum-cargo Ship for navigating cadets. Project Reports are also being prepared for augmenting the training capacity for maritime engineering cadets.

Dieselisation of New Bongaigaon-Howrah Janta Express and New Jalpaiguri-Howrah passenger train

1465. SHRI CHITTA MAHATA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether New Bongaigaon-Howrah Janta Express and the New Jalpaiguri-Howrah passenger train would be hauled by diesel engine in order to enable it to carry more coaches instead of steam engine; and

(b) if so, when?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS AND IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MALLIKARJUN): (a) No. Not at present.

(b) Does not arise.

सिंघना से खेतड़ी नगर तक एक शटल रेल गाड़ी चलाना

1466. श्री अशोक गहलोत : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को सिंघना से जयपुर रींगस के रास्ते खेतड़ी नगर तक एक शटल रेलगाड़ी चलाने के बारे में कोई अभ्यावेदन प्राप्त हुआ है ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार यह शटल गाड़ी चलाने का है ; और

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण है ?

रेल मंत्रालय तथा संसदीय कार्य विभाग में उप मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) से (ग). सम्भवत: माननीय सदस्य का आशय डाबला-सिंघाना खण्ड पर यात्री गाडियां चलाने से है । इसकी जांच की गई है, लेकिन इसे व्यावहारिक नही पाया गया क्योंकि डाबला-सिंघाना खण्ड केवल माल यातायात संचलन के लिए खुला है । प्रसंगवश यह भी उल्लेखनीय है कि खेतड़ी नगर रेलवे स्टेशन नहीं है बल्कि सिंघाना रेल स्टेशन के निकट केवल एक आवासीय क्षेत है ।

विदेश मंत्री द्वारा दौरा किये गये देश

1467. श्री कृष्णदत्त सुल्तानपुरी : क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विदेशों के साथ मंत्री संबंधो को सुदृढ़ करने की दृष्टि से उन्होंने विगत दो वर्षों में किन किन देशों का दौरा किया है; और

(ख) उन देशों के साथ तथा अन्य देशों के साथ हुई बातचीत के क्या परिणाम निकले ?

विदेश मंत्री (श्री पी० वी० नरसिंह राव) : (क) और (ख). सदन की मेज पर एक विवरण रखा गया है जिसमें पिछले दो वर्ष के दौरान विदेश मंत्री और पूर्ववर्ती विदेश मंत्रीयों की विदेश यात्राओं का ब्यौरा दिया गया है ।

विवरण

जिन देशों की यात्रा की	कब यात्रा की	किन विषयों पर विचार–विमर्श किया गया और उससे क्या हासिल हुआ ।
1	2	3
श्री अटल बिहारी वाजपेयी		
कुवैत संयुक्त अरब अमीरात सीरिया	मई, 1979	ये यात्राएं सद्भावना और सम्बन्धित देशों की सरकारों से विचार-विनिमय के लिए थीं । इन यात्राओं से द्विपक्षीय सम्बन्धों को और सुदृढ़ बनाने में सहायता मिली ।
सोवियत समाजवादी गणतंत्र संघ पोलैण्ड चैकोस्लोवाकिया युगोस्लाविया जर्मन संघीय गणराज्य	जून, 1979	भूतपूर्व प्रधान मंत्री श्री मोरारजी देसाई के साथ इन देशों की यात्रा की, इन यात्राओं से एक-दूसरे के विचारों को अच्छी तरह से समझा गया और सम्बन्धित देशों की इस इच्छा पर बल दिया गया कि भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में पारस्परिक लाभ के द्विपक्षीय सम्बन्धों को बढ़ाया जाए ।
अल्जीरिया	जून, 1979	यह दोनों देशों के बीच आर्थिक, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए एक सद्भावना यात्रा थी ।
श्री एम० एन० मिश्रा		
इटली यू० के०	दिसम्बर, 1979	संयुक्त राष्ट्र की महासभा के 34वें अधिवेशन में भाग लेने के बाद दिल्ली लौटते समय उन्होंने पारस्परिक हितों पर लाभप्रद विचार-विमर्श किया ।
पी० वी० नरसिंह राव		
फ्रांस	मार्च, 1980	फ्रांस के विदेश मंत्री से न्यूयार्क में ग्रुप 77 की बैठक के बारे में बातचीत की । दोनों विदेश मंत्रियों ने विकासशील देशों में आर्थिक सहयोग के बारे में भी विचार-विमर्श किया ।
जर्मन संघीय गणराज्य	मार्च, 1980	विदेश मंत्री जैन्शर से द्विपक्षीय मदों पर बातचीत हुई बॉन में अपने प्रवास के दौरान उन्होंने संघीय राष्ट्रपति कार्सत्न और चांसलर श्मित से भी भेंट की । इस बातचीत के दौरान दोनों विदेश मंत्रियों ने आपसी सम्बन्धों की समीक्षा की और दोनों देशों के बीच सौहार्द और मित्रतापूर्ण सम्बन्धों की पुष्टि की ।

1	2	3
सोवियत समाजवादी गणतंत्र संघ	जून, 1980	इस यात्रा से एक दूसरे के विचारों को अच्छी तरह समझा गया और इस इच्छा पर बल दिया गया कि भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में पारस्परिक लाभ के द्विपक्षीय सम्बन्धों को बढ़ाया जाये ।
बंगला देश	अगस्त, 1980	इस यात्रा के दौरान विदेश मंत्री ने अन्तर्राष्ट्रीय और द्विपक्षीय सम्बन्धों पर बंगलादेश के नेताओं से व्यापक रूप से विचार-विमर्श किया । महत्वपूर्ण द्विपक्षीय मुद्दों पर विशेष रूप से विस्तृत चर्चा हुई । इस यात्रा से भारत-बंगलादेश सम्बन्ध और सुदृढ़ हुए और दोनों देशों को एक-दूसरे का दृष्टिकोण समझने में सहायता मिली । इस यात्रा के दौरान कोई विशिष्ट समझौता सम्पन्न नहीं हुआ ।
वेनुएला	अगस्त, 1980	प्रधान मंत्री के विशेष दूत के रूप में यात्रा वेंजुएला के राष्ट्रपति, विदेश मन्त्री, ऊर्जा और खान मंत्री तथा वित्त मंत्री से ऊर्जा सप्लाई से सम्बन्धित मामलों पर विचार-विमर्श किया ।
क्यूबा मैक्सिको	अक्तूबर, 1980	इन यात्राओं से सम्बन्धित देशों से महत्वपूर्ण अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों पर पारस्परिक हितों और द्विपक्षीय सम्बन्धों पर विचार-विमर्श करने का सुअवसर मिला ।
स्विटजर लैण्ड लेबनान	नवम्बर, 1980	द्विपक्षीय और सामान्य हित के मामलों पर विचार-विमर्श किया गया ।

Rise in Road Accidents

1468. SHRI B. V. DESAI: Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the growth of road transport has been accompanied by a steep rise in road accidents;

(b) if so, whether metropolitan cities account for 50 per cent of total accidents;

(c) whether it is also a fact that the safety organised by the Indian Roads Congress during its Fourth Annual Session highlighter these accidents;

(d) whether they have suggested that there was an urgent need for further researches for developing effective national safety measures;

(e) if so, the other suggestions made in this regard;